मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 290
रविवार, 10 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बंगाल के लिए ऐतिहासिक सवेरा, सोनार बांग्ला के दिन शुरू हो गए हैं : शुभेंदु अधिकारी

कोलकता, 09 मई। पश्चिम बंगाल के राजनीतिक क्षितिज पर आज एक नया सूरज उदय हुआ है। राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की है कि शनिवार से बंगाल में सोनार बांग्ला के दिन आधिकारिक रूप से शुरू हो गए हैं। भाजपा की प्रचंड जीत के बाद सत्ता संभालने जा रहे अधिकारी ने इस पल को दशकों के कुशासन का अंत और विकास के एक नए अध्याय की शुरूआत बताया है।

अधिकारी ने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट किया और इस अवसर को हमारे संस्थापक नेताओं के सपनों का साकार होना बताया। उन्होंने पोस्ट किया, पश्चिम बंगाल के लिए यह वास्तव में एक ऐतिहासिक सवेरा है।

सिटी ऑफ जॉय में दूरदर्शी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वागत करना गर्व और हर्ष का क्षण है। आज, जब हम स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बन रहे हैं, तब हम अपने संस्थापक नेताओं के सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज दशकों के कुशासन का अंत और विकास, शांति तथा समृद्धि के डबल इंजन युग की शुरूआत हो रही है। सोनार बांग्ला का दौर आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है।

हाल ही में संपन्न 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारी जीत दर्ज करने वाली भाजपा राज्य में पहली बार अपनी सरकार बनाने जा रही है। शुभेंदु अधिकारी को शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल का सर्वसम्मति से नेता चुना गया था और अब वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता, राजग शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योगपति, फिल्म जगत की हस्तियां और धार्मिक नेता शामिल होने वाले हैं। भाजपा ने इस समारोह को बंगाल के समकालीन राजनीतिक इतिहास का एक निर्णायक क्षण बताया है।

सोनार बांग्ला' का नारा भाजपा के संकल्प पत्र का मुख्य आधार रहा है। अब मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के सामने औद्योगिक पुनरुद्धार, रोजगार सृजन और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। ब्रिगेड परेड ग्राउंड से शुरू हो रहा यह सफर क्या बंगाल की पुरानी गौरवशाली विरासत को वापस ला पाएगा? शुभेंदु अधिकारी के शब्दों में कहें तो, ₹दशकों का कुशासन अब अतीत की बात है, भविष्य केवल विकास का है।

बीजेपी पूंजीवाद को देती है बढ़ावा: अखिलेश यादव

लखनऊ, 09 मई। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने दावा किया कि तेल कंपनियों को हर महीने लगभग 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

यादव ने कहा कि हाल ही में यह बात सामने आई है कि तेल कंपनियों को एक महीने में 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिसका मतलब है कि इस नुकसान की भरपाई के लिए आपकी जेब से पैसा निकालने की कोशिश की जा रही है। जिस तरह उन्होंने गैस सिलेंडर महंगे किए... अब डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ने जा रही हैं। मैंने यह आज के अखबार में ही पढ़ा है। भारतीय जनता पार्टी पूंजीवाद को बढ़ावा देती है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि जब भाजपा का गठन हुआ था, तब इसके भीतर इस बात पर बहस हुई थी कि यह धर्मनिरपेक्ष होगी या नहीं।

यादव ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और तेल विपणन कंपनियों की वित्तीय स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सपा प्रमुख ने कहा कि जब भाजपा का गठन हुआ, तो उसके भीतर यह बहस हुई कि क्या वह धर्मनिरपेक्ष होगी या नहीं। जब प्रस्ताव पारित हुआ, तो उन्होंने स्वीकार किया कि हम समाजवादी विचारधारा और धर्मनिरपेक्ष मार्ग अपनाएंगे, जो मात्र दिखावा था। असल में वे पूंजीवादी निकले। समाजवादी होने का दावा करने के लिए उन्होंने जेपी (जयप्रकाश नारायण) की तस्वीर लगाई।

इस बीच, अखिलेश यादव ने शनिवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के इस्तेमाल पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में हेराफेरी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी चीज पर संदेह नहीं होना चाहिए। ईवीएम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण संदिग्ध हैं। स्मार्ट मीटर में हेराफेरी की जा सकती है... हम कल इंग्लैंड में मतपत्र के जरिए हुए मतदान का समर्थन करेंगे। अगर आज नहीं तो कल, चाहे एक साल लगे या एक सदी, हम ईवीएम को खत्म कर देंगे।

यूपी के हापुड़ में महाराणा प्रताप जयंती पर बवाल, रैली पर जमकर पथराव

हापुड़, 09 मई। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में शनिवार को दो गुटों के बीच झड़प के बाद तनाव काफी बढ़ गया, जिसके चलते एक जुलूस के दौरान पत्थरबाजी हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कई लोग घायल हो गए, जिसके बाद प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना हापुड़ के देहरा गांव के धौलाना इलाके में हुई, जहां राजपुर के शासक महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान कथित तौर पर पत्थरबाजी की गई। घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर रखने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए एक अधिकारी ने बताया कि धौलाना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले देहरा गांव में महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर एक जुलूस निकाला जा

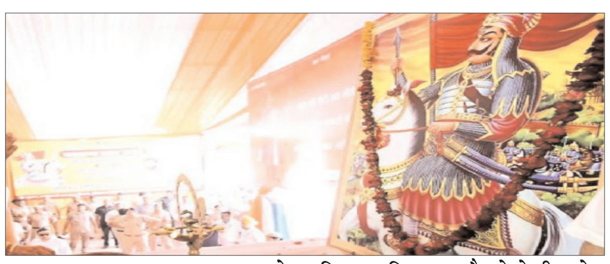

रहा था। अचानक एक दुकान से गुटखा खरीदने को लेकर कुछ लोगों के बीच बहस छिड़ गई। अधिकारी ने बताया कि बहस झड़प में बदल गई और कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने बाद में हस्तक्षेप किया, दो लोगों को गिरफ्तार किया और स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला और लोगों से जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह किया। अधिकारी ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दो से तीन लोग घायल हुए हैं। हमने हर जगह जांच की है, कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। हम ड्रोन के जरिए निगरानी कर रहे हैं। इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हर साल 9 मई को पूरे भारत में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जाती है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए राजपूत शासक को श्रद्धांजलि अर्पित की, जो अपने बलिदान और वीरता के लिए जाने जाते हैं।

भारत ने दुनिया को दिखाई एमआईआरवी ताकत, एक ही अग्नि मिसाइल से कई दुश्मनों पर वार का सफल परीक्षण किया गया

नई दिल्ली, 09 मई। भारत ने एक बार फिर अपनी सामरिक शक्ति और रक्षा तकनीक का प्रदर्शन करते हुए उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किए गए इस परीक्षण में बहु स्वतंत्र लक्ष्य भेदी पुनः प्रवेश प्रणाली यानी एमआईआरवी तकनीक का सफल उपयोग किया गया। इस तकनीक के माध्यम से एक ही मिसाइल से कई अलग अलग लक्ष्यों पर हमला किया जा सकता है। भारतीय महासागर क्षेत्र में दूर दूर स्थित विभिन्न लक्ष्यों पर कई पेलोड भेजकर इस क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित इस प्रणाली की निगरानी अनेक जमीनी तथा समुद्री ट्रैकिंग केंद्रों ने की। मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी पेलोड के लक्ष्य तक पहुंचने तक पूरे मार्ग का सफल परीक्षण किया गया। प्राप्त आंकड़ों से पुष्टि हुई कि मिशन के सभी उद्देश्य पूरी तरह सफल रहे। इस उपलब्धि के साथ भारत ने यह साबित कर दिया कि वह अब एक ही मिसाइल से कई रणनीतिक लक्ष्यों को साधने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा भारतीय सेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और देश के रक्षा उद्योग को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की सुरक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में यह क्षमता देश के लिए अत्यंत

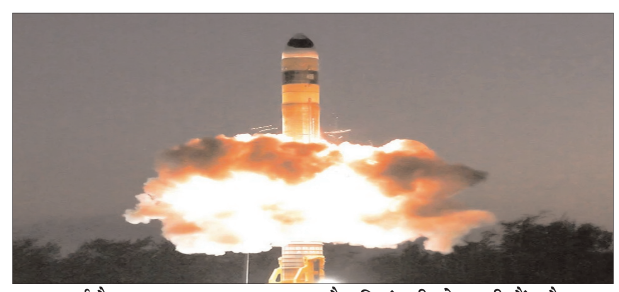

महत्वपूर्ण है।

इस परीक्षण के बाद अग्नि-छह को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। माना जा रहा है कि भारत शीघ्र ही दस हजार किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाले अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल अग्नि छह की दिशा में आगे बढ़ सकता है। हम आपको बता दें कि हाल ही में डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने कहा था कि इस परियोजना के लिए सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब केवल सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अग्नि छह में भी एमआईआरवी तकनीक लगाए जाने की संभावना है, जिसके कारण यह एक साथ कई परमाणु हथियार अलग अलग लक्ष्यों तक पहुंचा सकेगा। विशेषज्ञों के अनुसार अग्नि छह की मारक क्षमता छह हजार से लेकर बारह हजार किलोमीटर तक हो सकती है। यदि यह प्रणाली पूरी तरह सक्रिय हो जाती है तो भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा जिनके पास अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल तकनीक उपलब्ध है। वर्तमान में अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसी शक्तियों के पास ऐसी क्षमता मौजूद है। इस तकनीक का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह किसी भी संभावित परमाणु हमले के जवाब में प्रभावी प्रतिकार की क्षमता प्रदान करती है।

एमआईआरवी के साथ-साथ अग्नि छह में एमएआरवी तकनीक का भी उपयोग होने की संभावना जताई जा रही है। इस तकनीक के अंतर्गत पुनः प्रवेश करने वाले हथियार सीधे मार्ग की बजाय दिशा बदलते हुए नीचे आते हैं, जिससे उन्हें रोकना अत्यंत कठिन हो जाता है।

बेटे शुभेंदु अधिकारी के सीएम बनने पर मां की पहली मांग- आरजी कर पीड़िता को न्याय दिलाओ

कोलकता, 09 मई। शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उनसे ज्यादा खुश हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके बेटे को अब यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता को सच्चा न्याय मिले। इसके अलावा, शुभेंदु को यह सुनिश्चित करने पर भी काम करना चाहिए कि हर पीड़ित को न्याय मिले और लोगों को रोजगार मिले। गायत्री ने कहा कि मैं उनसे कहूंगी कि वे अब आरजी कर बलात्कार-हत्या पीड़िता और उन सभी पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए काम करें, जिन्होंने अत्याचार झेले हैं। गायत्री ने अपने बेटे के सफर पर भी प्रकाश डाला और कहा कि सुवेंदु ने पिछले पांच वर्षों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ अथक संघर्ष किया है, जबकि उन्हें कम से कम तीन से चार बार जानलेवा हमलों का सामना करना पड़ा।

गायत्री ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं, लेकिन बंगाल की जनता मुझसे भी ज्यादा खुश है। उन्होंने अपने पिता से ही लड़ने का जज्बा सीखा है, जिसकी वजह से वे आज इस मुकाम पर हैं; उनके पिता भी ऐसे ही थे। शुभेंदु के पिता सिसिर अधिकारी कांथी संसदीय सीट से तीन बार टीएमसी के लोकसभा सांसद रह चुके हैं। लंबे समय तक उनका परिवार ममता बनर्जी की पार्टी से जुड़ा रहा, लेकिन पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले सुवेंदु के भाजपा में शामिल होने के बाद परिवार ने भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा बदल ली।

केजरीवाल ने औरंगजेब से की पीएम मोदी की तुलना, किरेन रिजिजू ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 09 मई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए उन पर भारतीय राजनीतिक विमर्श को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और कहा कि उनका अध्याय समाप्त हो गया है। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि केजरीवाल के बयानों पर प्रतिक्रिया देना समय की बबार्दी होगी। उन्होंने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल के बयान पर कोई भी प्रतिक्रिया देना

सरासर समय की बबार्दी है। भारतीय राजनीति में उनका अध्याय समाप्त हो चुका है और जल्द ही उनका नाम भुला दिया जाएगा। उन्होंने गंदगी फैलाकर और राजनीति के स्तर को गिराकर भारी नुकसान पहुंचाया है। विपक्ष को ऐसी नकारात्मकता से ऊपर उठकर रचनात्मक राजनीति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री की ये टिप्पणियां केजरीवाल द्वारा पर किए गए कई पोस्ट के बाद आईं, जिनमें उन्होंने ऐतिहासिक शासक औरंगजेब की तुलना वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व से की और विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को शक्ति, मातृशक्ति और आधी दुनिया कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर सुरक्षित या कमजोर उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो। लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में ह्लसरपंच पतिह्न जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए ह्लउपयुक्त क्षेत्रह्न नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक ह्लआधी दुनियाह्न लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

भारी विरोध के बावजूद भाजपा कैसे जीतेगी पंजाब में ?

अशोक भाटिया

पं. बंगाल, असम, पुडुचेरी में भारी जीत के बाद भाजपा के हौंसले बुलंद है और जीत का झंडा पंजाब में लहराने का मन बना रही भाजपा के लिए पंजाब टेढ़ी खीर से कम नहीं। 2027 में पंजाब में विधानसभा चुनाव है और ऐसे में भाजपा पंजाब का किला भेदने की हर कोशिश में जुटी है लेकिन क्या भाजपा से नाराज चल रहा पंजाब का एक बड़ा गुट,पार्टी को माफ करेगा,क्या इस बार बंगाल की तरह भाजपा पंजाब में भी कमल खिलाएगी ? क्या आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भाजपा के रणनीति का शिकार होंगे ? सवाल कई है।

दरअसल इस समय भाजपा नेतृत्व इसे अगले संभावित डोमिनो के रूप में देख रहा है–ऐसा राज्य जहां राजनीतिक अस्थिरता और विपक्षी दलों की कमजोरी उसे नई संभावनाएं दे सकती है। इसी सोच के तहत भाजपा ने एक बड़ा रणनीतिक फैसला लिया है। पार्टी ने संकेत दे दिए हैं कि वह 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, यानी किसी क्षेत्रीय सहयोगी के सहारे नहीं। डोमिनो प्रभाव एक ऐसी श्रृंखला प्रतिक्रिया है, जहां एक घटना या क्रिया अपने समान अन्य घटनाओं की एक श्रृंखला को जन्म देती है, ठीक वैसे ही जैसे एक के बाद एक रखे गए डोमिनो टाइल्स के गिरने से पूरी कतार गिर जाती है। यह अवधारणा बताती है कि कैसे एक छोटा सा बदलाव या शुरूआती घटना बहुत बड़े और व्यापक परिणाम पैदा कर सकती है।

वैसे देखा जाय तो पंजाब में भाजपा की मौजूदगी नई नहीं है। आजादी के बाद से ही पार्टी (और उससे पहले भारतीय जनसंघ) राज्य की राजनीति में सक्रिय रही है। लेकिन लंबे समय तक उसका प्रभाव मुख्यतः शहरी हिंदू वोटरों और व्यापारिक वर्ग तक सीमित रहा।1992 से पहले जब भाजपा अकेले चुनाव लड़ती थी, तब उसका औसत वोट शेयर लगभग 6-7% के बीच रहता था। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद यह बढ़कर लगभग 8% तक पहुंचा।हालांकि गठबंधन ने भाजपा को सत्ता में भागीदारी तो दी, लेकिन उसका राजनीतिक विस्तार सीमित ही रहा। अकाली दल 94 सीटों पर चुनाव लड़ता था जबकि भाजपा के हिस्से केवल 23 सीटें आती थीं। भाजपा के कई नेताओं का मानना था कि इस जूनियर पार्टनर मॉडल ने पार्टी को पंजाब में स्वतंत्र पहचान बनाने से रोक दिया।

2020 में कृषि कानूनों के खिलाफ हुए व्यापक आंदोलन ने पंजाब की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। किसानों के तीखे विरोध के बीच अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला लिया।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यही वह मोड़ था जिसने भाजपा को पंजाब में नई शुरूआत का अवसर दिया। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा अब अपने संगठनात्मक विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों पर खुलकर काम कर पा रही है। इसी वर्ष मार्च में अमित शाह ने मोगा की बदलाव रैली में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब पंजाब में सहायक दल नहीं, बल्कि मुख्य शक्ति बनने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की रणनीति केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी यह भी मान रही है कि पंजाब की मौजूदा राजनीति में एक राजनीतिक खालीपन बन रहा है। आम आदमी पार्टी 2022 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब उसे आंतरिक असंतोष और नेतृत्व संबंधी सवालों का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे व्यक्तिगत आरोपों ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है। हालांकि AAP अब भी पंजाब में एक मजबूत शक्ति है, लेकिन भाजपा यह मानती है कि शहरी वर्ग और गैर-पारंपरिक मतदाता धीरे-धीरे विकल्प तलाश सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी पंजाब में लंबे समय से आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा दलित प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाना और राहुल गांधी का राज्य इकाई को टीम की तरह काम करने की सलाह देना इस बात का संकेत है कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असहमति बनी हुई है।

कभी पंजाब की राजनीति का सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय दल माना जाने वाला अकाली दल भी अब अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। कृषि कानूनों के मुद्दे और लगातार चुनावी झटकों ने उसके जनाधार को कमजोर किया है। भाजपा को लगता है कि अकाली दल के कमजोर होने से जो राजनीतिक स्पेस खाली हुआ है, उसे वह भर सकती है।

पंजाब में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राज्य की राजनीति परंपरागत रूप से सिख-पंथक और क्षेत्रीय मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इसलिए पार्टी अब सोशल इंजीनियरिंगह्न मॉडल पर काम कर रही है। राज्य में अनुसूचित जाति (SC) आबादी लगभग 32% है, जो देश में सबसे अधिक अनुपातों में से एक है। इसके अलावा 25-30% आबादी ओबीसी वर्ग से जुड़ी मानी जाती है।

भाजपा अब इन वर्गों में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। साथ ही पार्टी सिख समुदाय के बीच केंद्र सरकार की पहलों–जैसे करतारपुर कॉरिडोर और साहिबजादों की शहादत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान–को प्रमुखता से प्रचारित कर रही है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि भाजपा पंजाब में हिंदू बनाम सिख की पारंपरिक रेखा से आगे जाकर नया सामाजिक गठबंधन बनाना चाहती है।भाजपा की रणनीति इस विचार पर आधारित दिखती है कि यदि वह लगातार नए राज्यों में अपनी मौजूदगी स्थापित करती रही, तो इससे मनोवैज्ञानिक विस्तार का प्रभाव पैदा होगा।

पहले हरियाणा, फिर असम, उसके बाद पश्चिम बंगाल में बढ़त–इन चुनावी सफलताओं ने भाजपा को यह विश्वास दिया है कि क्षेत्रीय दलों के मजबूत गढ़ भी धीरे-धीरे टूट सकते हैं। लेकिन पंजाब की राजनीति कई मायनों में अलग है। यहां धार्मिक पहचान, किसान राजनीति, प्रवासी प्रभाव और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे चुनावी व्यवहार को गहराई से प्रभावित करते हैं। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल सीटें बढ़ाने की नहीं, बल्कि राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक राजनीति में स्वीकार्यता हासिल करने की भी होगी।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव बहुकोणीय मुकाबला बन सकता है।भाजपा विस्तार की रणनीति पर है। आप सत्ता विरोधी माहौल से बचने की कोशिश करेगी। कांग्रेस संगठनात्मक संकट से जूझ रही है और अकाली दल अपना खोया जनाधार वापस पाने में लगा है

ऐसे में 2027 का पंजाब चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं, बल्कि यह भी तय करेगा कि क्या भाजपा वास्तव में डोमिनो इफेक्ट के सहारे पंजाब जैसे जटिल राज्य में अपनी नई राजनीतिक कहानी लिख सकती है।

ज्ञात हो कि जब किसान कानूनों के विरोध में भाजपा और अकाली दल का दशकों पुराना गठबंधन टूट गया था। इस गठबंधन के टूटने के बाद से अब तक पंजाब में एक विधानसभा चुनाव और एक लोकसभा चुनाव हो चुका है। भाजपा ने पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ा लेकिन कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। मौजूदा समय में पार्टी के कुल दो विधायक हैं और विधानसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ 6। 6 प्रतिशत वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव भी पार्टी ने अकेले लड़े थे और एक भी सीट पर जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। हालांकि, 18। 56 प्रतिशत वोट हासिल कर तीसरी बड़ी पार्टी जरूर बनी थी।

पंजाब की राजनीति हमेशा से बाकी राज्यों से अलग रही है। यहां धर्म, किसान आंदोलन, क्षेत्रीय पहचान, सिख राजनीति और स्थानीय मुद्दे चुनावी माहौल तय करते हैं। यही वजह है कि देश के कई राज्यों में मजबूत पकड़ रखने वाली भाजपा पंजाब में अब तक वैसी सफलता हासिल नहीं कर पाई जैसी हिंदी पट्टी के राज्यों में उसे मिली है। पिछले कुछ सालों में भाजपा ने पंजाब में अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश की है लेकिन राज्य में कई ऐसे मुद्दे हैं जो पार्टी की पंजाब विरोधी छवि बनाते हैं।

अब जब पंजाब में किसान राजनीति सबसे बड़ा फैक्टर मानी जा रही है। कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन ने भाजपा की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचाया। पंजाब और हरियाणा के किसान कृषि कानूनों के खिलाफ कई दिनों तक दिल्ली बॉर्डर पर बैठे रहे लेकिन सरकार ने किसानों को नजरअंदाज किया। भाजपा की छवि पहले से पंजाब में किसान विरोधी थी और इन कानूनों की वजह से पार्टी पर लोगों को और ज्यादा अविश्वास हो गया। भले ही भाजपा ने बाद में इन कानूनों को वापिस ले लिया था लेकिन इन कानूनों की वजह से पार्टी की छवि को भारी नुकसान पहुंच गया था। यही कारण है कि ग्रामीण इलाकों में पार्टी को आज अभी भी विरोध का सामना करना पड़ता है।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार है और पंजाब में एक मजबूत धारणा है कि भाजपा पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को छिन लेगी। बीते साल चंडीगढ़ को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने के लिए एक विधेयक पेश करने का प्रस्ताव रखा था। इस विधेयक के पास होने के बाद चंडीगढ़ में प्रशासक के रूप में लेफ्टिनेंट गवर्नर यानी एलजी की नियुक्ति करने का प्लान था। अब तक पंजाब के गवर्नर ही चंडीगढ़ के प्रशासक के तौर पर काम करते थे। पंजाब के नेताओं ने इसका जमकर विरोध किया था और बाद में सरकार ने अपने फैसले पर यू टर्न भी ले लिया था। इस मुद्दे के कारण भी भाजपा बैकफुट पर है।

पंजाब की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सिख है। भारतीय जनता पार्टी की छवि एक हिंदू पार्टी के रूप में बन गई है। पश्चिम बंगाल में हुए चुनाव में पार्टी को इस छवि का फायदा भी मिला। उत्तर भारत के हिंदी पट्टी के ज्यादातर राज्यों में भाजपा अपनी हिंदू छवि का फायदा उठाकर चुनावी सफलता का स्वाद चखती है लेकिन पंजाब में यही स्वाद कड़वा हो जाता है। भारतीय जनता पार्टी की हिंदू छवि और शिरोमणि अकाली दल की सिखों की पंथक राजनीति से इस गठबंधन को पंजाब में कई बार सफलता मिली है।

पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में स्थित एक ऐतिहासिक यूनिवर्सिटी है जिसकी जड़े अविभाजित लाहौर में हैं। बंटवारे के बाद यह यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में स्थित है और केंद्र की भाजपा सरकार कई बार इस यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी बनाने की कोशिश कर चुकी है। हालांकि, हर बार पंजाब के युवा और धार्मिक-सामाजिक ग्रुप सरकार के इस फैसले का विरोध करते हैं और सरकार को यू-टर्न लेना पड़ता है। पिछले साल ही इस यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव ना करवाने के फैसले पर बवाल हुआ था। पंजाब के कई नेता इसी यूनिवर्सिटी से पड़े हैं और इस यूनिवर्सिटी पर केंद्र की नजर बताते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए यह मुद्दा भी काफी मुश्किल भरा है। इसके अलावा पंजाब के पानी का मुद्दा भी भाजपा के विरोध में काम करता है। लोगों में डर है की भाजपा पंजाब के पानी को अन्य राज्यों को दे देगी। इन तमाम मुद्दों के बावजूद भारतीय जनता पार्टी अपनी क्षमताओं के दम पर पंजाब की राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रही है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने का दावा कर रही है। दूसरी पार्टी के कई नेताओं को भाजपा ने अपने पाले में कर लिया है। इसके अलावा पार्टी ने कई सिख नेताओं को अपने पक्ष में किया है। पार्टी लगातार सिख धर्म की समर्थक दिखाने की कोशिश कर रही है। बंगाल जीत के बाद भाजपा को पंजाब से बहुत ज्यादा उम्मीदें बना रखी हैं।

खामोश चीखों से हौसलों की उड़ान तक

मदर्स डे : वह हर रात टूटी लेकिन हर सुबह मां बनकर फिर खड़ी हो गई!

रात जब बहुत गहरी हो जाती है, तब इंसान की सबसे सच्ची आवाज उसके भीतर सुनाई देती है। वह आवाज, जिसे दुनिया कभी नहीं सुन पाती। वह दर्द, जो शब्दों में नहीं उतरता। वह खालीपन, जो हर दिन मुस्कुराते चेहरे के पीछे चुपचाप सांस लेता रहता है। कुछ ऐसी ही खामोश चीखों के साथ पिछले आठ वर्षों से जी रही हैं निधि मिश्रा। बाहर से देखने पर वह एक सामान्य कामकाजी महिला दिखती हैं। सुबह नौकरी पर जाना, बच्चों की पढ़ाई की चिंता करना, घर संभालना, लोगों से मुस्कुराकर मिलना और जिम्मेदारियों को सहजता से निभाना। लेकिन इस सहज चेहरे के भीतर एक ऐसा अथाह सन्नाटा है, जिसे सिर्फ वही महसूस कर सकती हैं। एक ऐसा खालीपन, जो हर सुबह उन्हें उस जीवन की याद दिलाता है, जो कभी उनका सबसे सुंदर सच था। मदर्स डे के अवसर पर निधि मिश्रा की कहानी सिर्फ एक मां की कहानी नहीं है। यह उस भारतीय स्त्री की कहानी है, जो टूटती जरूर है, लेकिन बिखरती नहीं। जो हर बार अपने बच्चों के लिए खुद को फिर से खड़ा कर लेती है। जो अपने हिस्से का दर्द चुपचाप पीकर बच्चों के हिस्से में मुस्कान छोड़ देती है।

जब जिंदगी सामान्य थी और सपनों में उजाला था

वर्ष 2002 में शुरू हुआ वैवाहिक जीवन बिल्कुल सामान्य खुशियों से भरा हुआ था। पति विनोद मिश्रा के साथ जीवन संघर्षपूर्ण जरूर था, लेकिन उसमें साथ था, भरोसा था और भविष्य के प्रति उम्मीद थी। परिवार में हंसी थी, बच्चों की किलकारियां थीं और छोटे-छोटे सपनों से सजा हुआ संसार था। समय के साथ तीन बच्चों – संस्कृति, सुकृति और संस्कार – ने घर को जीवंत बना दिया। बच्चों की मुस्कान ही परिवार की सबसे बड़ी पूंजी थी। जिंदगी साधारण थी, लेकिन संतोष से भरी हुई थी। लेकिन जिंदगी हमेशा चेतावनी देकर नहीं बदलती। दिसंबर 2017 में अचानक पता चला कि विनोद मिश्रा को माउथ कैंसर है। यह खबर किसी भूकंप की तरह पूरे परिवार पर गिरी। जिस व्यक्ति ने हमेशा परिवार की ढाल बनकर जिंदगी जी, वही अचानक अस्पतालों और दवाइयों के बीच जिंदगी की सबसे कठिन लड़ाई लड़ने लगा। कानपुर के जेके कैंसर अस्पताल में इलाज शुरू हुआ। उम्मीदें थीं, दुआएं थीं, विश्वास था कि सब ठीक हो जाएगा। परिवार ने हर संभव कोशिश की। लेकिन बीमारी हर उम्मीद से बड़ी साबित हुई।

22 फरवरी 2018

यह तारीख निधि मिश्रा की जिंदगी में हमेशा के लिए ठहर गई। उस दिन सिर्फ एक पति नहीं गया था। एक स्त्री का सहारा चला गया था। तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया था। एक परिवार अचानक अधूरा हो गया था। उस समय बड़ी बेटी संस्कृति स्कूल में थीं। छोटी बेटी सुकृति बचपन और समझदारी के बीच खड़ी थी। बेटा संस्कार दुनिया की सच्चाइयों को समझने के लिए बहुत छोटा था। घर में रिश्तेदार थे, सांत्वनाएं थीं, लोग थे लेकिन जो खालीपन भीतर पैदा हुआ था, उसे कोई भर नहीं सकता था। तीनों बच्चों की आंखों में सिर्फ एक सवाल था – अब क्या होगा? और शायद यहीं एक मां का दूसरा जन्म होता है।

जब आंसुओं को ताकत बनाना पड़ा

पति के जाने के बाद जिंदगी अचानक जिम्मेदारियों के पहाड़ में बदल गई। हर सुबह डर लेकर आती थी। बच्चों की फीस, घर का खर्च, भविष्य की चिंता, समाज की बातें, अकेलापन सब कुछ एक साथ सामने खड़ा था। निधि मिश्रा कहती हैं कि कई दिनों तक उन्हें समझ ही नहीं आता था कि आगे क्या करना है। भीतर से वह पूरी तरह टूट चुकी थीं। लेकिन मां शायद वही होती है, जो अपने बच्चों के सामने पूरी तरह टूट नहीं सकती। सबसे अधिक पीड़ा तब हुई, जब कठिन समय में अपेक्षित पारिवारिक सहयोग भी नहीं मिला। रिश्तों की भीड़ में इंसान कई बार सबसे ज्यादा अकेला हो जाता है। ऐसे समय में उनकी मां उनका सहारा बनीं। उन्होंने बेटी को टूटने नहीं दिया। मानसिक रूप से संभाला, हिम्मत दी और हर कदम पर साथ खड़ी रहीं। लेकिन नियति शायद अभी और परीक्षा लेना चाहती थी। 8 अक्टूबर 2022 को उनकी मां का भी कैंसर से निधन हो गया। यह दूसरा ऐसा आघात था, जिसने भीतर की आखिरी मजबूती भी हिला दी। जिस मां के कंधे पर सिर रखकर वह रो लेती थीं, वह सहारा भी चला

पति की मौत के बाद अक्सर जिंदगी सिर्फ यादों में बदल जाती है। घर की दीवारें वही रहती हैं, लेकिन उनमें बसने वाली आवाजें हमेशा के लिए खो जाती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ निधि मिश्रा के साथ। कैंसर ने उनके पति को छीन लिया, जिम्मेदारियों ने बची हुई जिंदगी को घेर लिया और तीन मासूम बच्चों की आंखों में भविष्य का डर उतर आया। लेकिन उसी टूटन के बीच एक मां ने हार मानने से इनकार कर दिया। उसने अपने आंसुओं को तकिए तक सीमित रखा और बच्चों के सामने मुस्कान ओढ़ ली। फीस की चिंता, अकेलेपन का दर्द, समाज की बेरुखी और भीतर का सन्नाटा सब कुछ सहते हुए वह चुपचाप लड़ती रहीं। आज उनकी बेटियां अपने सपनों की उड़ान भर रही हैं और बेटा भविष्य की तैयारी में जुटा है। यह सिर्फ एक मां की कहानी नहीं, बल्कि उस अदृश्य शक्ति की दास्तान है, जो टूटकर भी अपने बच्चों के लिए हर दिन फिर जी उठती है

गया। लेकिन जिंदगी अब रुक नहीं सकती थी। क्योंकि तीन बच्चों का भविष्य उनकी आंखों में उम्मीद बनकर खड़ा था। उन्होंने तय किया कि चाहे जिंदगी कितनी भी कठिन क्यों न हो जाए, बच्चों के सपने नहीं टूटने देंगी।

काशी ने टूटने नहीं दिया

7 मई 2018 को निधि मिश्रा काशी आईं। एक ऐसा शहर, जिसे उन्होंने कभी अपने जीवन का हिस्सा नहीं सोचा था। उस समय बनारस उनके लिए सिर्फ एक शहर था – घाटों, मंदिरों, गलियों और भीड़ से भरा हुआ शहर। लेकिन धीरे-धीरे यही शहर उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा बन गया। काशी की सुबहें उनके भीतर उतरने लगीं। गंगा के घाटों पर बहती हवा, मंदिरों की घंटियां, बाबा विश्वनाथ की आरती और बनारस की आत्मीयता ने उनके भीतर टूट चुकी उम्मीदों को फिर से जोड़ना शुरू किया। उन्होंने नौकरी शुरू की। हिंदुस्तान परिवार ने कठिन समय में उन्हें सहारा दिया। उनके पति विनोद मिश्रा गाजीपुर में हिंदुस्तान के ब्यूरो चीफ रहे थे। संस्थान ने निधि को अवसर दिया। यह सिर्फ रोजगार नहीं था, बल्कि जिंदगी को फिर से संभालने का पहला आधार था। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल में पढ़ाना भी शुरू किया। सुबह घर संभालना, फिर नौकरी, बच्चों की पढ़ाई, बाजार, फीस, जिम्मेदारियां, रात की चिंता और अगले दिन की तैयारी–जिंदगी एक निरंतर संघर्ष बन चुकी थी। लेकिन इस संघर्ष में कोई शोर नहीं था। वह चुपचाप लड़ रही थीं। दुनिया को सिर्फ उनकी मुस्कान दिखाई देती थी, भीतर की थकान नहीं। मैंने बस जीना सीख लिया है, तुम्हारे बिना कुछ समय पहले उन्होंने अपने मन की पीड़ा को शब्दों में ढाला और सोशल मीडिया पर एक कविता लिखी। कविता की शुरूआत थी -एक दर्द भरी चीख सबको सुनाई देती है, लेकिन जो चीख बेआवाज होती है, वही सबसे ज्यादा जला देती है यह सिर्फ कविता नहीं थी। यह आठ वर्षों से भीतर दबे दर्द का विस्फोट था। उन्होंने लिखा कि बच्चों के बीच बैठकर जब वह हंसती हैं, तब भी उन्हें लगता है कि उस हंसी की परछाईं में पति की कमी खड़ी है। बच्चों की बातों में वह आज भी उनकी आवाज ढूंढती हैं। रात के सन्नाटे में कई बार ऐसा लगता है कि दरवाजा खुलेगा और वह सामने खड़े होंगे। लेकिन फिर वही सन्नाटा लौट आता है। कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हजारों लोगों ने उसे पढ़ा, साझा किया और महसूस किया। क्योंकि वह सिर्फ निधि मिश्रा की कहानी नहीं थी। वह उन लाखों महिलाओं की कहानी थी, जो अपने हिस्से का दुःख चुपचाप जीती हैं। सबसे ज्यादा लोगों को उनकी यह पंक्ति भीतर तक छू गई –लोग समझते हैं निधि संभल गई है, पर सच्चाई ये है, मैंने बस जीना सीख लिया है, तुम्हारे बिना

बच्चे अब उनकी ताकत बन चुके हैं

समाज अक्सर मान लेता है कि समय हर घाव भर देता है। लेकिन सच यह है कि कुछ दर्द कभी खत्म नहीं होते। इंसान सिर्फ उनके साथ जीना सीख जाता है। निधि मिश्रा ने भी यही किया। उन्होंने अपने बच्चों के लिए खुद को फिर से गढ़ा। आज बड़ी बेटी संस्कृति एमबीए कर रही हैं। छोटी बेटी सुकृति बी-फार्मा की पढ़ाई में जुटी हैं। बेटा संस्कार 12वीं का छात्र है। इन बच्चों की उपलब्धियां सिर्फ शैक्षणिक सफलता नहीं हैं। यह एक मां की तपस्या का परिणाम हैं। कई रातें ऐसी थीं जब फीस भरने की चिंता में नींद नहीं आती थी। कई बार अपनी जरूरतों को खत्म करके बच्चों की जरूरतें पूरी करनी पड़ीं। लेकिन जब बच्चों को आगे बढ़ते देखती हैं, तो लगता है कि संघर्ष व्यर्थ नहीं गया। निधि कहती हैं – जिंदगी किसी के जाने से खत्म नहीं होती लेकिन उसके बाद जीना फिर से सीखना पड़ता है।

काशी अब उनके पुनर्जन्म की भूमि है

जो महिला कभी अकेले बाजार जाने से डरती थी, आज हर परिस्थिति का सामना आत्मविश्वास के साथ करती है। दर्द अब भी है, यादें अब भी हैं, लेकिन अब उन्होंने आंसुओं के साथ जीना सीख लिया है। काशी अब उनके लिए सिर्फ शहर नहीं है। यह उनकी दूसरी जिंदगी है। पुनर्जन्म की भूमि है। एक ऐसा शहर, जिसने उन्हें टूटने नहीं दिया। वह कहती हैं –काशी ने मुझे सिर्फ रोजगार नहीं दिया, बल्कि गिरकर फिर संभलना सिखाया। सच भी यही है। बनारस सिर्फ आध्यात्मिक शहर नहीं, टूटे हुए लोगों को फिर से जीना सिखाने वाला शहर भी है। यहां की गंगा सिर्फ पाप नहीं धोती, कई बार मन का दुःख भी बहा ले जाती है।

मां सिर्फ ममता नहीं, संघर्ष का दूसरा नाम है

मदर्स डे पर निधि मिश्रा की कहानी हमें यह समझाती है कि मां सिर्फ प्यार नहीं होती। वह संघर्ष होती है। त्याग होती है। जिम्मेदारी होती है। वह अपने टूटे हुए सपनों पर बच्चों का भविष्य खड़ा करने वाली सबसे मजबूत दीवार होती है। समाज अक्सर स्त्री की सहनशीलता की बात करता है। लेकिन स्त्री की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सहनशीलता नहीं, बल्कि हर बार टूटकर फिर खड़े हो जाने की क्षमता है। आज जब निधि पीछे मुड़कर देखती हैं, तो दर्द अब भी उतना ही है। पति की यादें अब भी हैं। मां की कमी अब भी महसूस होती है। लेकिन अब उन्होंने जिंदगी से शिकायत करना छोड़ दिया है। उन्होंने जीना सीख लिया है। अपने बच्चों के लिए। अपने अधूरे सपनों के लिए। और उन तमाम स्त्रियों के लिए, जिन्हें यह समाज अक्सर कमजोर समझ लेता है। अंत में उनकी लिखी ये पंक्तियां मानो पूरे संघर्ष का सार बन जाती हैं – सफर कठिन था मगर हौसलों ने हार नहीं मानी, मैं मां थी साहब इसलिए जिंदगी फिर संभाल ली।

अनुष्का शिंदे ने 94.20 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अप्पा पाड़ा,कांदिवली पूर्व स्थित महारानी सई बाई विद्यामंदिर की छात्रा अनुष्का धनेश शिंदे ने दसवीं एसएससी बोर्ड की परीक्षा में 94.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुष्का की इस उपलब्धि पर पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अनुष्का को डॉक्टर अरुण राय सहित ढेर सारे लोगों ने बधाई दी है।

एन.के.ई.एस हाई स्कूल का शत-प्रतिशत रिजल्ट में छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का किया नाम रोशन

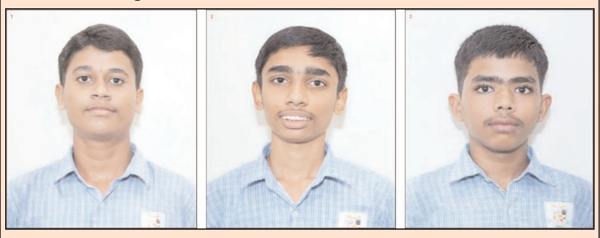

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबीवली 8 मई 2026 को एसएससी बोर्ड परिणाम में डोंबीवली के नांदीवली स्थित एन.के.ई.एस हाई स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल है। प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने मिठाई बांटकर इस सफलता का जश्न मनाया। विद्यालय ने वर्षों से उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखा है और इस वर्ष का परिणाम छात्रों की मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष प्रमाण माना जा रहा है। विद्यार्थियों ने पूरे शैक्षणिक सत्र में कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त किया जिसमें भुवड़ तनिष्क ने 93.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। हरम भावेश 93.40 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि यादव शिवम ने 92.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया इन छात्रों की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नितिना शुक्ला ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और शिक्षकों की निष्ठा का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के निरंतर सहयोग की भी सराहना की। संस्थान के प्रबंधन अध्यक्ष श्री पार्थसारथी नायक तथा न्यासी सदस्य श्री शशिकांत जोशी, श्रीमती पद्मजा बनवासी, श्री अनंत बनवासी, श्रीमती भवानी भार्गव, श्री गणपति शंकरलिंग एवं नवीलकर सर ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि छात्र भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे। यह सफलता एक बार फिर एन.के.ई.एस हाई स्कूल की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वांगीण विकास की मजबूत पहचान को दर्शाती है।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया नेक्सॉन प्योर+ पीएस

मुंबई। भारतीय सड़कों पर 10 लाख टाटा नेक्सॉन के मील के पत्थर का जश्न मनाते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), जो भारत की एक अग्रणी ऑटोमोटिव निर्माता है, ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सॉन का नया वेरिएंट नेक्सॉन प्योर+ पीएस लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 9.59 लाख रुपये (दिल्ली) रखी है। खास बात यह है कि यह भारत की पहली ऐसी कार बन गई है, जो 10 लाख रुपये से कम कीमत में पैनोरमिक सनरूफ फीचर ऑफर करती है और इस बेहद पसंदीदा फीचर को ज्यादा ग्राहकों की पहुंच के भीतर लाती है। कंपनी की मजबूत मल्टी-पावरट्रेन रणनीति को आगे बढ़ाते हुए, नई टाटा नेक्सॉन प्योर+ पीएस भारत के सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट डीजल पावरट्रेन (एमटी और एएमटी) के साथ उपलब्ध होगी। वहीं पेट्रोल (एमटी और एएमटी) और ट्विन सिलेंडर आईसीएनजी (एमटी) वेरिएंट्स में सेगमेंट का सबसे पावरफुल 1.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिलेगा। लॉन्च पर अपनी राय रखते हुए टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, श्वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार और पूरे वित्त वर्ष 2026 में देश की नंबर-1 एसयूवी रहने वाली नेक्सॉन आज भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। 10 लाख से ज्यादा के मजबूत परिवार के साथ, नेक्सॉन हर कीमत पर ग्राहकों को एक बेहतरीन ऑल-राउंड पैकेज देने के लिए जानी जाती है। 10 लाख रुपये से कम कीमत में भारत का पहला पैनोरमिक सनरूफ देने वाला नया प्योर+ पीएस वेरिएंट इसकी मजबूती को और बढ़ाता है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक – चारों पावरट्रेन विकल्प देने वाली भारत की इकलौती एसयूवी के रूप में नेक्सॉन लगातार अलग-अलग ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रही है और कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत बना रही है। टाटा नेक्सॉन प्योर+ पीएस अपने शानदार कूपे-स्टाइल डिजाइन और बेहतरीन सेफ्टी रेटिंग के साथ एक ऑल-राउंड पैकेज के रूप में उभर कर आई है। इस मॉडल की सबसे बड़ी खासियत इसका वॉइस-असिस्टेड पैनोरमिक सनरूफ है, जो 10 लाख रुपये से कम कीमत में भारत में पहली बार पेश किया गया है, जिससे केबिन को एक प्रीमियम और खुला अहसास मिलता है।

डाबर आंवला ने केयर वहाँ जहाँ डाबर आंवला, घर वहाँ मेरी माँ जहाँ अभियान के साथ मनाया मदर्स डे

मुंबई/पटना। डाबर आंवला हेयर ऑयल ने मदर्स डे के अवसर पर एक हृदयस्पर्शी डिजिटल अभियान केयर वहाँ जहाँ डाबर आंवला, घर वहाँ मेरी माँ जहाँ लॉन्च किया है। इस अभियान में प्रसिद्ध गायक जोड़ी अंतरा नंदी और अंकिता नंदी शामिल हैं। यह अभियान उस शाश्वत आराम, देखभाल और भावनात्मक आधार का उत्सव मनाता है जो केवल एक माँ ही प्रदान कर सकती है। यह फिल्म आधुनिक जीवन की भागदौड़ को खूबसूरती से दर्शाती है और फिर दर्शकों को माँ के साथ बिताए उन चिर-परिचित पलों की गर्माहट में वापस ले जाती है—चाहे वह संगीत का अभ्यास हो, छोटी-मोटी गपशप हो या 'चंपी' (सिर की मालिश) की सुकून देने वाली परंपरा। भावनाओं और पुरानी यादों में रचा-बसा यह अभियान एक शक्तिशाली संदेश के माध्यम से पोषण और देखभाल के साथ डाबर आंवला के लंबे जुड़ाव को और मजबूत करता है। संगीत, कविता और रोजमर्रा के जुड़ाव वाले पलों के मेल से बनी यह फिल्म इस बात पर जोर देती है कि कैसे माँ का स्पर्श आज भी हमारे लिए सुकून, शक्ति और खुद को फिर से ऊर्जावान बनाने का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड, हेयर केयर, अंकुर कुमार ने कहा, डाबर आंवला के लिए देखभाल का मतलब हमेशा सिर्फ पोषण से कहीं अधिक रहा है।

अंबरनाथ मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मिली बस सेवा, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के प्रयासों को मिली सफलता

एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों सफर हुआ आसान

चेतन निर्मल

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ स्थित शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को अब बड़ी राहत मिली है। कॉलेज के छात्रों को प्रैक्टिकल और प्रशिक्षण के लिए कल्याण स्थित अस्पताल तक नियमित रूप से आना-जाना पड़ता था, जिससे उन्हें यातायात की भीड़ और लंबे सफर की परेशानी झेलनी पड़ती थी। विद्यार्थियों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए अब बस सेवा शुरू की गई है, जिससे उनका सफर काफी सुगम हो गया है। पहले अंबरनाथ से कल्याण तक का सफर समय लेने वाला और असुविधाजनक था, लेकिन अब यह बस सेवा विद्यार्थियों के लिए राहत का कारण बनी है। जानकारी के अनुसार, ठाणे जिले के अंबरनाथ में स्थित शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय इस समय अपने दूसरे वर्ष में है और जल्द ही तीसरे वर्ष की पढ़ाई भी शुरू होने वाली है। प्रत्येक बैच में लगभग 100 विद्यार्थियों का प्रवेश होता है, जिससे वर्तमान में करीब 200 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन विद्यार्थियों को सराव (प्रैक्टिकल) के लिए कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के आरसीएफ स्थित रुक्मिणीबाई अस्पताल जाना पड़ता है। इस यात्रा को आसान बनाने के लिए विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के प्रयासों से जिला नियोजन निधि से 50 सीटर बस उपलब्ध कराई गई है। इस बस सेवा का शुभारंभ विधायक डॉ. बालाजी किणीकर और डॉ. संतोष वर्मा की उपस्थिति में किया गया। विद्यार्थियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे उनके लिए बेहद उपयोगी और राहतभरा कदम बताया।

चेंबूर लोकमान्य तिलक हाई स्कूल का परीक्षाफल शत प्रतिशत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर क्षेत्र के शैक्षणिक जगत में इस वर्ष दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में लोकमान्य तिलक हाई स्कूल ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और पालकों के सहयोग के चलते लोकमान्य तिलक हाई स्कूल अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। बता दें कि लोकमान्य तिलक हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण बना हुआ है। इस अवसर पर लोकमान्य तिलक हाई स्कूल के मैनेजिंग ट्रस्टियों की ओर से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं गई। इसके साथ ही ट्रस्टियों की ओर से विद्यालय के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों का भी अभिनंदन किया गया।

कक्षा 11वीं ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए पालघर जिले में मार्गदर्शन केंद्र स्थापित

पालघर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य में कक्षा 11वीं प्रवेश प्रक्रिया शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाइन तरीके से संचालित की जायेगी। विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए पालघर जिले में एक मार्गदर्शन केंद्र स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था शिक्षा विभाग माध्यमिक तथा जिला परिषद पालघर के माध्यम से की गई है।

कक्षा11वीं प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को आवेदन भरने, पंजीकरण करने, प्राथमिकताएं दर्ज करने, दस्तावेज अपलोड करने और तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए इस मार्गदर्शन केंद्र पर सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। प्रवेश प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और विद्यार्थीकेंद्रित हो, इसके लिए शिक्षा विभाग ने यह सुविधा शुरू की है। पालघर जिले के लिए मार्गदर्शन केंद्र यशवंत चाफेकर जूनियर कॉलेज, टेंभोडे, पालघर में निर्धारित किया गया है। इस केंद्र के लिए उपशिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) चतुर पाटील और माधव मते को संपर्क अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार कक्षा 11वीं प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गये हैं।

विद्यार्थियों व अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित किसी भी समस्या, संदेह या तकनीकी कठिनाई के लिए मार्गदर्शन केंद्र से संपर्क करें।

संजयभाई जीवनलाल शाह की श्री वर्धमान जंबूद्वीप ट्रस्ट में ट्रस्टी के रूप में नियुक्ति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जैन शासन की सेवा एवं तीर्थों के उत्थान के लिए समर्पित सेवाभावी व्यक्तित्व संजयभाई जीवनलाल शाह को श्री वर्धमान जंबूद्वीप ट्रस्ट तथा वर्धमान जैन पेढ़ी के ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया गया है। इस गौरवपूर्ण नियुक्ति से जैन समाज में हर्ष और आनंद की भावना व्याप्त है।

इस अवसर पर पन्यास प्रवर श्री अभयसागरजी महाराज साहेब के परम शिष्य रत्न, 108 फीट आदिनाथ दादा के प्रेरक, जंबूद्वीप, नागेश्वर, मांडवगढ़ एवं मणिभद्र तीर्थों के उद्धारक एवं मार्गदर्शक गुरुदेव प.पू. आ.भ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. तथा कार्यदक्ष विनयी प.पू. आ.म. श्री सौम्यचंद्रसागरसूरीश्वरजी म.सा. के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से सतीशभाई आर. शाह (ट्रस्टी) के करकमलों द्वारा श्री संजयभाई को ट्रस्टी-पत्र प्रदान कर विधिवत ट्रस्टी नियुक्त किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर जैन समाज के अनेक अग्रणी एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। जिनमें श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के संस्थापक अध्यक्ष जवाहरभाई मोतीचंद शाह, उपाध्यक्ष (महिला विभाग) अल्पा संजय शाह सहित परीन शाह, राजेन पारिख (डायमंड हॉल उपाध्यक्ष), जयंतीभाई शाह (उपाध्यक्ष, जैन पत्रकार संघ), प्रकाशभाई हेक्कड़ (सेक्रेटरी, भारत डायमंड बुर्स), समीर हेक्कड़, अमीष हेक्कड़, कल्पेशभाई हेक्कड़, प्रकाश मेहता एवं पीनल दोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। संजयभाई शाह के कुशल प्रशासन एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में जंबूद्वीप तीर्थ में यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्य प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें 150 से अधिक सुविधायुक्त कमरों वाली आधुनिक नवीन धर्मशाला, साधु-साध्वी भगवंतों एवं श्रावक-श्राविकाओं की आराधना हेतु नवीन उपाश्रय, यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन भोजनशाला जैसे भव्य प्रकल्पों का समावेश है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यों ने संजयभाई जीवनलाल शाह को इस नई जिम्मेदारी हेतु हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। गणमान्यों की ओर से देव-गुरु-धर्म की कृपा से उनके मार्गदर्शन में जैन शासन की प्रभावना एवं तीर्थों का विकास निरंतर प्रगति करता रहे, यही मंगलकामना व्यक्त की गई।

साकीनाका के तुंगा गाँव में बरसात में होने वाले जलजमाव को रोकने के लिए सुरक्षा दीवार बनाने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानसून जल्द ही आने वाला है। इस परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई मनपा की ओर से बड़े और छोटे नालों की सफाई का कार्य शुरू किया गया है। किंतु वहीं साकीनाका के तूंगा गांव में पिछले कई वर्षों से एल एंड टी रिएलटी के द्वारा बनाई जा रही इमारतो के कारण बरसात के मौसम में यहां के निचले इलाकों की झोपड़पट्टियों में जलजमाव हो रहा है। इस कारण स्थानीय नागरिकों को बरसात में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चांदिवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने मुख्य अभियंता मुंबई मनपा के विकास नियोजन विभाग को पत्र लिखकर सुरक्षा दीवार बनाने की मांग की है। मुख्य अभियंता विकास नियोजन विभाग को लिखे पत्र में सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि एल एंड टी की इमारतो का बरसात का पानी और इमारत को बनाने के लिए जो मार्ग बनाया गया है वह स्थानीय लोगो के लिए असुरक्षित है। क्योंकि इस मार्ग और तुंगा गाँव की जो बस्ती है, उसमे सिर्फ कुछ ही फिट का अंतर है । बरसात के मौसम में कभी कोई भी मालवाहक डंपर बरसात मे झोपड़ो पर गिर सकता है। जिसके कारण हमेशा ही दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। अतः इस दुर्घटना को रोकने के लिए एल टी रिएलिटी और तुंगा गाँव के बीच २५ फुट की सीमेंट वाली मजबूत सुरक्षा दिवार का निर्माण कराया जाय। इसके अलावा बरसात का पानी जो तुंगा गाँव के घरों में घुस जाता है।जिसके कारण कुछ साल पूर्व एक घर भी गिर पड़ा था ऐसी दुर्घटना को रोकने के लिए एल एंड टी रिएलटी अपने परिसर मे बरसात के पानी की निकासी के लिए नाला का निर्माण कराये।

चिन्मया विद्यालय में धूमधाम से मनाई गई चिन्मया स्वामी की 110वीं जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की प्रसिद्ध औद्योगिक नगरी बोईसर-तारापुर के सरावली स्थित शिक्षा के अनुपम केंद्र चिन्मया विद्यालय में शुक्रवार 8 मई 2026 को परम पूज्य चिन्मया स्वामीजी की 110वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के अध्यक्ष टी. बी. ठाकुर के कुशल नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की सेक्रेटरी डॉ. शिव शंकर, मिशन सदस्य विनोद बाजपेयी, प्रिंसिपल मैडम डिंपल मिस्त्री एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। उन्होंने उत्कृष्ट टीमवर्क, समर्पण व अथक परिश्रम से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भाषण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं मंच संचालन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों के आत्मविश्वास, प्रभावशाली वक्तृत्व कौशल और मंच संचालन क्षमता ने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से पूज्य स्वामीजी के आदर्शों, संस्कारों और जीवन मूल्यों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। 110वीं चिन्मया स्वामी जयंती के पावन अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिथियों ने स्वामीजी के जीवन, विचारों और आध्यात्मिक संदेशों को स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि स्वामीजी ने ज्ञान, सेवा, आध्यात्मिकता और मानवता के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की। उनके प्रेरक जीवन प्रसंगों ने उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि सकारात्मक सोच, आत्मिक उन्नति और समाजसेवा ही मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। कार्यक्रम का समापन अत्यंत सुंदर, अनुशासित और प्रेरणादायक माहौल में हुआ। सभी ने पूज्य स्वामीजी के बताए आदर्शों और सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने और समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजकों, शिक्षकगणों, विद्यार्थियों, अभिभावकों व सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद एवं अभिनंदन किया गया।

मदर्स डे स्पेशल: मौत को मात देकर मां की गोद में पहुंचा २७ हफ्ते का प्री-टर्म शिशु

मुंबई। मैटरनल और नियोनेटल केयर की साझा ताकत दिखाते हुए नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने एक हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के मामले को सफलतापूर्वक संभालते हुए मात्र 27 हफ्ते में सुरक्षित प्री-टर्म डिलीवरी कराई है। प्रसव के समय बच्चे का वजन सिर्फ 1.2 किग्रा था। इस तरह के मामले में बहुत सी चुनौतियां रहती हैं। इन सभी चुनौतियों से पार पाते हुए विशेषज्ञों की टीम ने मां और बच्चे, दोनों को समय पर और एडवांस्ड केयर दी, जिससे दोनों की अच्छी रिकवरी हुई है। 38 वर्षीय शगुफ्ता यास्मिन करीब आठ साल बाद दोबारा गर्भवती हुई थीं। पहले बच्चे के समय भी प्री-टर्म डिलीवरी हुई थी। पहला बच्चा 29 हफ्ते में पैदा हुआ था और उसे आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखना पड़ा था। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर -हाई रिस्क ऑब्स्टेट्रिक्स, डॉ. सुरुचि देसाई की देखरेख में इसी तरह के मामले में सफल इलाज कराने वाली बड़ी बहन ने उन्हें दूसरे बच्चे के लिए प्रोत्साहित किया। इसे देखते हुए शगुफ्ता ने भी डॉ. देसाई की देखरेख में ही आगे बढ़ने का फैसला लिया।

इस मामले को लेकर डॉ. सुरुचि देसाई ने कहा, गर्भावस्था के 25वें हफ्ते में महिला को लिवर संबंधी एक परेशानी होने लगी, जिसे इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस कहा जाता है। इसमें बाइल का प्रवाह प्रभावित होता है और शरीर में बाइल जमा होने लगता है। साथ ही लिवर एंजाइम भी बढ़ने लगे थे। 22वें हफ्ते से उन्हें गेस्टेशनल डायबिटीज भी थी और उनका बॉडी मास इंडेक्स ज्यादा था। इनके कारण प्रेग्नेंसी और भी जटिल हो गई थी। मां की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए टीम ने मां और बच्चे की सुरक्षा के लिए 27 हफ्ते में इमरजेंसी सी-सेक्शन का फैसला लिया।

नवजात शिशु को तुरंत स्पेशलाइज्ड केयर के लिए नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में रखा गया।

काशीगाव पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा पकड़ा, एक आरोपी को किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड स्थित काशीमीरा क्षेत्र में काशीगाव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा पकड़कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अंग्रेजी शराब, नकद रकम और एक इनोवा फोर व्हीलर वाहन सहित कुल लगभग 12 लाख 50 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा-भायंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत मीरा रोड डिवीजन के एसीपी गणपत पिंगले को गुप्त सूचना मिली थी कि काशीमीरा नाका स्थित वसीम मटन शॉप के पास से अंग्रेजी शराब से भरी एक इनोवा गाड़ी गुजरने वाली है। सूचना के आधार पर मीरा रोड डिवीजन एसीपी कार्यालय की टीम तथा काशीगाव पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीम ने जाल बिछाकर उक्त इनोवा वाहन को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब (व्हिस्की एवं बीयर) के बॉक्स तथा भारतीय मुद्रा के 500, 200 और 100 रुपये के नोटों के बंडल बरामद हुए। पुलिस ने शराब, नकद रकम और वाहन सहित कुल 12.50 लाख रुपये का मुद्देमाल जब्त किया।

फिलहाल काशीगाव पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है कि आरोपी ने अंग्रेजी शराब किस वाइन शॉप से खरीदी थी, वह शराब कहां सप्लाई करने जा रहा था तथा बरामद नकद रकम कहां से आई और किसकी है।

यह कार्रवाई एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, जोन-1 के डीसीपी राहुल चव्हाण, मीरा रोड डिवीजन के एसीपी गणपत पिंगले तथा काशीगाव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में पीएसआई विजय साठे, एचसी प्रवीण, किरण विरकर, एएसआई नितिन महाजन सहित मीरा रोड डिवीजन एसीपी कार्यालय और काशीगाव पुलिस स्टेशन की संयुक्त टीम शामिल रही।

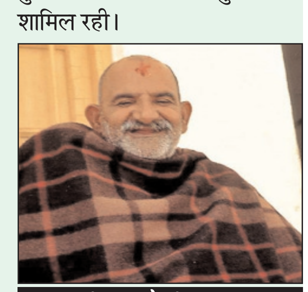

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

60 मकान जमींदोज, 45 पर चला बुलडोजर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के दालमंडी में शनिवार को एक बार फिर बुलडोजर गरजा। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 45 मकानों पर ध्वस्तीकरण शुरू किया। इलाके में भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ड्रोन कैमरों से भी निगरानी कराई जा रही

दालमंडी सड़क चौड़ीकरण को लेकर पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी है। गुरुवार रात ही पीडब्ल्यूडी की ओर से इलाके में मुनादी कराकर मकान मालिकों और दुकानदारों को दोपहर 12 बजे से पहले अपना सामान हटाने का निर्देश दिया गया था।

दालमंडी में अब तक का सबसे बड़ा एक्शन, 400 पुलिसकर्मी तैनात

शनिवार सुबह बुलडोजर, प्रशासनिक टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया, जिसके बाद ध्वस्तीकरण शुरू हुआ।

प्रशासन के अनुसार दालमंडी में 650 मीटर लंबी सड़क को 17.4 मीटर चौड़ा किया जाना है। इस परियोजना के लिए कुल 187 प्रॉपर्टी चिन्हित की गई हैं, जिनमें 181 मकान और 6 मस्जिदें शामिल हैं।

इसके अलावा इलाके की लगभग 1400 दुकानें भी इस परियोजना से प्रभावित हो रही हैं।

दालमंडी में पहली बार 29 अक्टूबर 2025 को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई थी।

अब तक 62 मकानों पर बुलडोजर चल चुका है, जबकि शनिवार को 45 अन्य मकानों को तोड़ा जा रहा है। प्रशासन का दावा है कि चौड़ीकरण के बाद इस इलाके में जाम की समस्या से काफी राहत मिलेगी और आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा।एडीएम सिटी आलोक वर्मा ने बताया कि जिन 45 मकानों पर शनिवार को कार्रवाई की जा रही है, उनमें से 25 मकानों का बैनामा पहले ही हो चुका है। बाकी 20 मकान जर्जर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी कार्रवाई को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में जुटा है और सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में फायर सेफ्टी सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में फायर सेफ्टी सप्ताह (04 मई से 10 मई 2026) के अंतर्गत अस्पताल परिसर में भव्य फायर डेमो एवं अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल के मार्गदर्शन में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, मरीजों एवं तीमारदारों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित एवं त्वरित कार्रवाई की जानकारी देना था। इस दौरान फायर सेफ्टी अधिकारियों ने आग लगने के कारणों, शॉर्ट सर्किट, गैस रिसाव और विद्युत उपकरणों के असुरक्षित उपयोग से होने वाले खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फायर टीम द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर के प्रयोग, आग पर प्रारंभिक नियंत्रण की तकनीक, आपातकालीन निकास मार्गों के उपयोग तथा मरीजों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयम और सूझबूझ से काम लेना बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल ने कहा कि फायर सेफ्टी की जानकारी आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अस्पताल, घर, कार्यालय, दुकान और सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी समय आगजनी की घटनाएं हो सकती हैं, इसलिए प्राथमिक बचाव उपायों की जानकारी जनहानि को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फोटोग्राफी समाज और भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम: डॉ.रुचिता चौधरी

जनसंचार विभाग की फोटो प्रदर्शनी में दिखे जौनपुर के रंग, संस्कृति और ग्रामीण जीवन की झलक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में शनिवार को आयोजित फोटोग्राफी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में 200 से अधिक तस्वीरों के माध्यम से प्रकृति, संस्कृति, इतिहास और ग्रामीण जीवन के विविध रंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग की समन्वयक डॉ. रुचिता चौधरी ने किया. उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी केवल तस्वीरें लेने की कला नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। फोटो प्रदर्शनी में कहीं जौनपुर की ऐतिहासिक धरोहरों की भव्यता दिखाई दी तो कहीं गांव की सादगी और मिट्टी से जुड़े जीवन की भावनात्मक झलक देखने को मिली। शाही किला की ऐतिहासिकता, कुम्हारों की

मेहनत, ग्रामीण परिवेश और काशी के घाट की आध्यात्मिक सुंदरता को विद्यार्थियों ने अपनी कैमरा कला से बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

रमन मिश्र ने जौनपुर की ऐतिहासिक धरोहरों, लक्ष्मण कुमार और रामानंद प्रजापति ने ग्रामीण जीवन की सहजता और संघर्ष को तस्वीरों में उकेरा। वहीं मनोज यादव और गिरजा शंकर ने मानव और गांव के रिश्तों को संवेदनशील अंदाज में प्रस्तुत किया। दिव्यांशु, कन्हैया और पृथ्वीराज ने कुम्हारों के जीवन और उनकी मेहनत को कैमरे में कैद कर दर्शकों को भावुक कर दिया।

शमलेश और सौरभ ने जौनपुर की ऐतिहासिक विरासत को अपनी तस्वीरों में जीवंत किया। मनीष यादव, सर्वेश और मोनू ने प्रकृति के बदलते रंगों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया। वहीं सौरभ, उत्कर्ष और अमन ने शाही किला की भव्यता को तस्वीरों में उतारा। कृष्णा, सचिन और अनुराग ने काशी के घाट की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक छटा को अपनी फोटोग्राफी से जीवंत बना दिया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने अतिथि का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रदर्शनी का संयोजन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. अमित मिश्र समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीडीए सरकार को लेकर मोहम्मद अरशद खान का बड़ा बयान, 2027 में बदलाव का दावा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर बड़ा बयान देते हुए दावा किया है कि वर्ष 2027 में प्रदेश में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की सरकार बनेगी और जनता भारी बहुमत से

अखिलेश यादव के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और युवाओं के भविष्य को लेकर परेशान है। जनता अब बदलाव चाहती है और समाजवादी विचारधारा की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और संविधान बचाने का आंदोलन है। उन्होंने कहा

कि पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, किसान, मजदूर, नौजवान और महिलाएं अब एकजुट होकर नई राजनीतिक इबारत लिखने जा रहे हैं।

उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने, युवाओं को रोजगार देने और गरीबों को न्याय दिलाने के दावे केवल भाषणों तक सीमित रह गए हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है।

उन्होंने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों की नई शुरूआत होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव सामाजिक न्याय बनाम अहंकार की राजनीति का चुनाव साबित होगा। अंत में उन्होंने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने के लिए समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने की अपील की।

पूर्वांचल के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा विश्वविद्यालय परिसर

समर्थ पोर्टल से प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आधुनिक शिक्षा, उत्कृष्ट संसाधनों और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालय परिसर एक बार फिर

नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों के स्वागत को तैयार है। विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान, विधि, अभियांत्रिकी, फामेर्सी एवं व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध संकायों में संचालित पाठ्यक्रम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उज्ज्वल भविष्य का अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है।

विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष कुल 56 विषयों एवं एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। डिप्लोमा स्तर पर तीन विषय, स्नातक स्तर पर 31 विषय तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 25 विषय संचालित किए जाएंगे। स्नातक स्तर पर बीटेक के नौ, बीएससी के नौ, बीए के तीन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों में भी प्रवेश की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश के लिए विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता एवं पूरी प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सभी आवश्यक सूचनाएं ऑनलाइन माध्यम से सुलभ होंगी, जिससे प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और सरल बन सके।

विश्वविद्यालय परिसर के प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल 8 मई 2026 से प्रारंभ हो चुका है। इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध केंद्रीय पुस्तकालय, वाई-फाई युक्त परिसर, इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम, छात्रावास सहित आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के कारण विश्वविद्यालय परिसर पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन कर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में पहला कदम बढ़ाएं।

बीएसए डॉ.गोरखनाथ पटेल का औचक निरीक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ.गोरखनाथ पटेल ने विभिन्न विकास खंडों के विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक गुणवत्ता, साफ-सफाई, छात्र उपस्थिति एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में खामियां मिलने पर कार्रवाई की गई, जबकि बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित भी किया गया। धमापुर विकास खंड स्थित प्राथमिक विद्यालय शीतला चौकिया में प्रार्थना सभा तक केवल 14 छात्र उपस्थित मिलने पर प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं विद्यालय परिसर एवं किचन की साफ-सफाई बेहतर मिलने पर रसोइया को पुरस्कृत किया गया। अनुपस्थित शिक्षामित्र का मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया।

करंजाकला के प्राथमिक विद्यालय सिद्दीकपुर में सभी शिक्षक उपस्थित मिले तथा शैक्षणिक गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। बीएसए ने विद्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय खानपुर अकबर में गंदगी एवं जलभराव की समस्या मिलने पर बीएसए ने नाराजगी जताई। विद्यालय की टूटी चहारदीवारी एवं जल निकासी समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन से तत्काल वार्ता की गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने एक माह के भीतर सुधार कार्य कराने का आश्वासन दिया। शाहगंज विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय तरसांवा में बच्चों को अव्यवस्थित तरीके से एमडीएम ग्रहण करते पाया गया। भोजन के समय कोई शिक्षक उपस्थित नहीं था, जिस पर बीएसए ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वयं बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। एमडीएम की गुणवत्ता खराब मिलने पर प्रधानाध्यापक समेत पूरे स्टाफ का निरीक्षण दिवस का वेतन रोकते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

कम्पोजिट विद्यालय सिद्दीकपुर में निरीक्षण के दौरान कक्षा 8 की छात्रा आरुषि एवं छात्र विशेष ने गणित विषय के प्रश्नों का ब्लैकबोर्ड पर सही समाधान कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बीएसए ने दोनों विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत जौनपुर पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

जनपद के सभी थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों एवं मिशन शक्ति टीम ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, चौराहों, कस्बों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस दौरान साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा उपायों तथा नवीन कानूनों भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में भी जागरूक किया गया।

अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के तरीके, गुड टच और बैड टच की पहचान तथा महिला अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर छेड़खानी या उत्पीड़न होने पर

महिलाएं डरें नहीं, बल्कि तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर शिकायत करें या नजदीकी थाने में एफआईआर दर्ज कराएं।

इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिलाओं को यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा और 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं।

गहरे पानी से मिला वृद्ध का शव, मची सनसनी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र नालापार स्थित नावघाट में एक वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते अपहरण कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि नावघाट निवासी 62 वर्षीय बंगाली निषाद बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोग उन्हें अपने साथ ले गए। देर रात तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

परिवार के लोगों का आरोप है कि वृद्ध के हाथ बांधकर नाव के जरिए उन्हें गहरे पानी में ले जाकर नदी में फेंक दिया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर केराकत पुलिस सक्रिय हुई और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

पूछताछ के बाद पुलिस आरोपियों की निशानदेही पर गांव से करीब दो किलोमीटर दूर नदी में पहुंची, जहां गहरे पानी से शव बरामद किया गया। शव बाहर निकाले जाने के दौरान दोनों हाथ बंधे होने की बात सामने आई, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज, हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है।वही इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

मृतक की पत्नी थाने में तहरीर देकर हत्या की जताई थी आशंका

मृतक की पत्नी हीरामनी ने साहबलाल पुत्र रामसूरत व शंभू पुत्र पतिराज पर पति को अपने साथ ले जाने तथा हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को नामजद तहरीर देकर कहा कि मोहल्ले के कई लोगों ने बंगाली निषाद को दोनों आरोपितों के साथ जाते हुए देखा था। पीड़िता ने आशंका जताई कि उनके पति की हत्या कर दी गई है। उन्होंने पुलिस से मामले की गंभीर जांच कर पति को सकुशल बरामद करने तथा आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को उठाई। वहीं पुलिस पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच में जुटी हुई है।

आजाद बिंद की बहन पहुंची एसपी कार्यालय, पुलिस कार्रवाई पर जताई नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के चर्चित आजाद बिंद प्रकरण को लेकर शुक्रवार को उस समय नया मोड़ आ गया, जब आजाद बिंद की बहन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय उन्हें कानून की धाराएं समझाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि परिवार लगातार न्याय की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

मीडिया से बातचीत के दौरान महिला ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें न्याय चाहिए और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

इस मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है तथा तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है।

मानीकलां के बदहाल सामुदायिक शौचालय को लेकर कस्बावासियों की नए जिलाधिकारी से गुहार

इम्तियाज अहमद

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानी कलां स्थित बस्ती में बना सामुदायिक शौचालय इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। शौचालय की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोग उसके अंदर जाने से भी कतराने लगे हैं। जगह-जगह फर्श और दीवारें टूटी हुई हैं, जबकि आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समय शादी-विवाह का सीजन चल रहा है, ऐसे में बाहर से आने वाले मेहमानों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सफाई कर्मी की नियुक्ति होने के बावजूद नियमित साफ-सफाई नहीं हो रही है, जिससे दुर्गंध और गंदगी लगातार बढ़ती जा रही है।

कस्बावासियों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि सामुदायिक शौचालय की बदहाल स्थिति से क्षेत्र की छवि भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने जनपद के नए जिलाधिकारी से मांग की है कि सामुदायिक शौचालय की जल्द मरम्मत कराकर नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधा मिल सके। कस्बावासियों का कहना है कि इसी माह क्षेत्र निवासी वीरेन्द्र कुमार के यहां विवाह समारोह भी है, जिससे आने वाले मेहमानों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान सोहन, पप्पू,

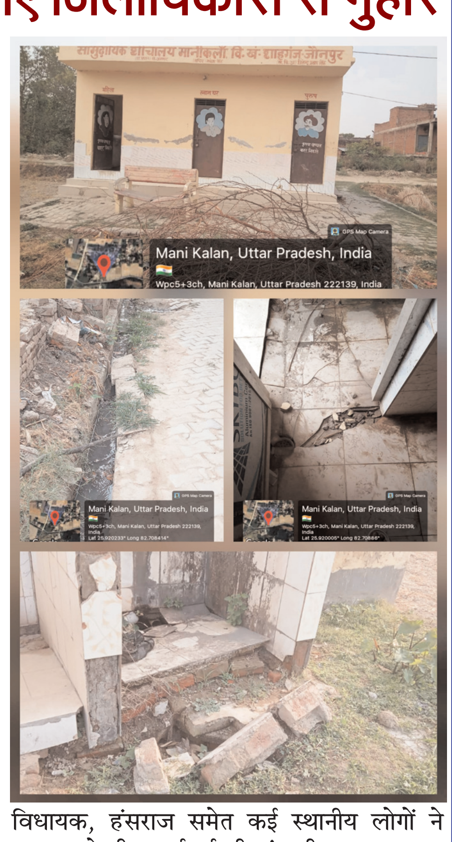

विधायक, हंसराज समेत कई स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए पारदर्शिता और समयबद्धता के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में शुक्रवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा, पौधरोपण कार्यक्रम, फॉर्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पहुंचाया जाए तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति को योजना का लाभ न मिले।

मनरेगा योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मानव दिवस सृजन एवं श्रमिकों के समय से भुगतान की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा कार्यों में तेजी लाई जाए तथा विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि गड्ढा खुदान एवं पौध तैयार करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। साथ ही नर्सरियों का निरीक्षण कर पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में पौधरोपण की अपार संभावनाएं हैं और खंड विकास अधिकारी अपने क्षेत्रों में उपयुक्त स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक

कार्रवाई समय से पूर्ण करें।

फॉर्मर रजिस्ट्री की समीक्षा के दौरान कम प्रगति वाले विकास खंडों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पीएम कुसुम योजना से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के निर्देश दिए तथा खाद की उपलब्धता को लेकर जानकारी प्राप्त की।

बैठक में पिछड़ा वर्ग, समाज कल्याण, सेवायोजन, मत्स्य, पशुपालन, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन कल्याण, श्रम विभाग, बाल एवं पुष्टाहार विभाग सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को लाभार्थी चयन प्रक्रिया पारदर्शी रखने एवं पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला परिषद स्कूलों का फैसला रद्द

वसई रोड। डॉ. हेमंत सांवरा की अध्यक्षता में पालघर जिला परिषद ने बड़ा फैसला लेते हुए जिले के 57 जिला परिषद स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं बंद करने का पहले लिया गया निर्णय रद्द कर दिया है। अब अगले शैक्षणिक सत्र से इन स्कूलों में कक्षाएं नियमित रूप से जारी रहेंगी। यह फैसला विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाले नुकसान को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। इस निर्णय से हजारों छात्रों को अपने गांव के पास ही माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षा का अधिकार और छात्रों का भविष्य दोनों सुरक्षित होंगे।

थाना समाधान दिवस में डीएम व एसएसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना परिसर में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी जौनपुर एवं कुंवर अनुपम सिंह ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने जनता से संवाद स्थापित कर उनकी शिकायतों एवं समस्याओं की जानकारी ली। राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि जनता की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक सृष्टि जैन, थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोमती नदी में नहाने गए दो दोस्तों की डूबकर मौत, गांव में पसरा मातम

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर। गोमती नदी में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। चंदवक थाना क्षेत्र के डोभी गांव स्थित नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, हीरापुर मचहटी गांव निवासी 18 वर्षीय प्रवेश यादव पुत्र लौजारी यादव और 19 वर्षीय शिवम चौरसिया पुत्र महेश चौरसिया अपने दोस्तों के साथ शनिवार दोपहर करीब एक बजे गोमती नदी के चंदवक पुल के नीचे नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान दोनों युवक गहरे पानी में चले गए। बताया जा रहा है कि दोनों को तैरना नहीं आता था।

साथियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। शोर सुनकर आसपास मौजूद मछुआरे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर नायब तहसीलदार हुसैन अहमद एवं थानाध्यक्ष अमित सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मछुआरों ने दोनों युवकों के शव नदी से बाहर निकाले। पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी ले गई, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 57,495 मामलों का निस्तारण, 12.89 करोड़ रुपये पर हुआ समझौता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति नीरज तिवारी के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। लोक अदालत की देखरेख अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट रणजीत कुमार तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह द्वारा की गई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन, पुलिस अधीक्षक कुवर अनुपम सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रीति श्रीवास्तव सहित समस्त न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 6,591 मामलों तथा प्रशासनिक एवं राजस्व विभागों के 50,904 प्री-लिटिगेशन मामलों सहित कुल 57,495 मामलों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 12 करोड़ 89 लाख 5 हजार 563 रुपये की धनराशि पर समझौता हुआ।

पारिवारिक न्यायालयों द्वारा 55 मुकदमों का निस्तारण कर पीड़ित पक्ष को 37 लाख 81 हजार रुपये की समझौता राशि दिलाई गई। वहीं एमएसीटी न्यायालय में 29 मामलों का निस्तारण कर 3 करोड़ 34 लाख 30 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। अपर जिला जज चतुर्थ न्यायालय द्वारा विद्युत वसूली के 563 मामलों का निस्तारण किया गया। विभिन्न न्यायालयों में 5,193 शमनीय फौजदारी मामलों का निस्तारण करते हुए 3 लाख 67 हजार 680 रुपये अर्थदंड अधिरोपित किया गया। एनआई एक्ट के 2 तथा अन्य प्रकार के 686 मामलों का भी निस्तारण हुआ।

सिविल न्यायालयों में 64 मामलों का निस्तारण करते हुए उत्तराधिकार मामलों में 60 लाख 54 हजार 34 रुपये के प्रमाण पत्र जारी किए गए। प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक, फाइनेंस कंपनियों एवं बीएसएनएल से जुड़े 784 मामलों में 8 करोड़ 28 लाख 83 हजार 190 रुपये पर समझौता कराया गया। लोक अदालत के दौरान विभिन्न श्रम कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि एवं उपकरण भी वितरित किए गए। मातृत्व, शिशु एवं बालिका हित लाभ योजना, कन्या विवाह सहायता योजना तथा मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजनाओं के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को कुल 5 लाख 34 हजार 982 रुपये की सहायता प्रदान की गई। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 11 दिव्यांग लाभार्थियों को व्हीलचेयर एवं स्मार्ट केन वितरित किए गए। वहीं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा चयनित लाभार्थियों को विभिन्न ट्रेडों से संबंधित उपकरण प्रदान किए गए।

मधुबन, वसई ईस्ट में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज परियोजना का निरीक्षण

वसई रोड। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में एमएमआरडीए द्वारा प्रस्तावित चार रेलवे ओवरब्रिज परियोजनाओं में शामिल वसई-उमेलन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को मधुबन, वसई ईस्ट स्थित परियोजना स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, एमएमआरडीए तथा वसई-विरार महानगरपालिका के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से साइट का फिजिकल इंस्पेक्शन किया।

निरीक्षण के दौरान परियोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि परियोजना को जल्द मंजूरी मिल सके और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी कारण से परियोजना में देरी न हो।

अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से वसई क्षेत्र में लंबे समय से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या में काफी राहत मिलेगी। इसके अलावा स्थानीय नागरिकों के दैनिक आवागमन को भी अधिक सुगम और सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

इस अवसर पर एमएमआरडीए के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सुरेंद्र शेवाले, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर अजीव पाटिल, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन प्रवीण शेट्टी, पूर्व मेयर नारायण मानकर, सिटी इंजीनियर प्रदीप पचांगे, कॉर्पोरेशन अधिकारी अपर्णा पाटिल, भाजपा वसई-विरार सिटी जिला सचिव प्रवीण गावड़े, वसई ईस्ट साउथ मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, कल्पेश पांडे, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, निपुण दोशी, हरीश बेदी सहित एमएमआरडीए और महानगरपालिका के कई अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसीलदार व उपजिलाधिकारी गेट के सामने पेड़ की टूटी डाल बनी हादसे का कारण, जिम्मेदार बेखबर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील परिसर स्थित तहसीलदार आवास व उपजिलाधिकारी कार्यालय गेट के सामने पाकड़ के हरे पेड़ की एक बड़ी डाल तेज आंधी और बारिश के दौरान टूटकर खतरनाक तरीके से लटक गई है। यह टूटी डाल राहगीरों और तहसील आने-जाने वाले लोगों के लिए किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दे रही है। बावजूद इसके अब तक संबंधित विभाग द्वारा इसे हटाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बताया जाता है कि तहसील परिसर में प्रतिदिन दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में फरियादी, अधिवक्ता, कर्मचारी एवं आम नागरिक विभिन्न कार्यों से आते-जाते हैं। तहसीलदार आवास गेट के सामने से होकर ही लोगों का आवागमन लगातार बना रहता है। ऐसे में पेड़ की भारी डाल का टूटकर लटकना कभी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज हवा चलने या बारिश होने पर यह डाल पूरी तरह नीचे गिर सकती है, जिससे किसी राहगीर को गंभीर चोट लगने की आशंका बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन से मांग किया है कि जनहित को देखते हुए तत्काल टूटे हुए पेड़ की डाल को हटवाकर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

17 मई को वसई में होगा भव्य हिंदू कॉन्फ्रेंस और सत्संग

वसई रोड। वसई (वेस्ट) स्थित विश्वकर्मा हॉल में रविवार, 17 मई 2026 को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक वसई सनातन धर्म सभा की ओर से भव्य हिंदू कॉन्फ्रेंस और सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन सभा के प्रमुख उत्तम कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है।

पिछले आठ वर्षों से वसई में लगातार हिंदू कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सामाजिक और आध्यात्मिक जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष के कार्यक्रम में प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु ब्रह्मर्षि मोहनजी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और अपने प्रेरणादायक शब्दों से विशेष सत्संग प्रदान करेंगे।

ब्रह्मर्षि मोहनजी देशभर में आध्यात्मिकता, मानव सेवा और सनातन मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए जाने जाते हैं। उनके प्रवचनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद नाइक, विश्व हिंदू परिषद केरल के राज्य महासचिव एडवोकेट अनिल कुमार, पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत सवारा, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, वसई-विरार नगर निगम में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल तथा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उत्तम कुमार ने कहा कि यह हिंदू सम्मेलन हिंदू संस्कृति, आध्यात्मिकता और सामाजिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने समाज के सभी हिंदू भाइयों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सत्संग का लाभ लेने की अपील की।

महाराणा प्रताप जयंती पर मेधावियों का सम्मान, पूर्व मंत्री बोले–स्वाभिमान के प्रतीक थे महाराणा प्रताप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर राजपूत सेवा समिति द्वारा मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईएएस, पीसीएस में चयनित मेधावियों एवं यूपी बोर्ड में जनपद टॉपर छात्र को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. महेंद्र सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप अदम्य साहस, वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक थे। उन्होंने घास की रोटी खाना स्वीकार किया लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन देशवासियों को राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को शिक्षा और लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले इस महान योद्धा को युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। समिति के सदस्यों ने समाज हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी तथा मेधावी छात्रों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद डा. कृष्ण प्रताप सिंह, विधायक रमेश सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उपरांत कलीचाबाद स्थित महाराणा प्रताप पार्क के पास पुलिस बूथ का उद्घाटन भी किया गया, जिसमें पुलिस एवं राजपूत सेवा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

19 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, वश 500 वाहन बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पवारा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना पवारा पुलिस टीम ने 19 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन वश 500 भी बरामद किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा के पर्यवेक्षण में थाना पवारा पुलिस ने कार्रवाई की। थानाध्यक्ष अनिल कुमार मय हमराही पुलिस बल द्वारा सहनी तिराहे के पास चेकिंग के दौरान अभियुक्त राजेन्द्र कुमार जायसवाल पुत्र चिरौजी लाल निवासी पकड़ी गोदाम थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 19 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा, 1150 रुपये नकद तथा एक सफेद रंग की वश 500 वाहन संख्या वढ70एढ1596 बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना पवारा में मु0अ0सं0 82/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी का पूर्व में भी आबकारी अधिनियम के तहत आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में शामिल रहे– थानाध्यक्ष अनिल कुमार ,उपनिरीक्षक राजेश कुमार यादव कांस्टेबल अनिल यादव, आरक्षी अंशू ,आरक्षी आदर्श सिंह द्वितीय पुलिस की इस कार्रवाई को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस कार्यक्रम का आयोजन

सरिता यादव

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के छितौना स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नर्सरी से कक्षा 10 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर छात्रों ने अपनी माताओं के लिए हस्तनिर्मित शुभकामना कार्ड बनाए। विद्यालय परिसर में निबंध, भाषण, कविता एवं नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। नृत्य प्रतियोगिता में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने तू कितनी अच्छी है, तू कितनी प्यारी है माँ मेरी माँ गीत पर मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया। वहीं कक्षा 6 के छात्र मोहम्मद अमीन ने निबंध के माध्यम से अपनी मां के प्रति भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि घर की खुशहाली मां की वजह से होती है। कविता प्रतियोगिता में छात्रा अदिति गुप्ता ने माँ तो आखिर होती है माँ, जग से लड़कर हमें हंसाती है माँ कविता प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। वहीं कक्षा 10 की छात्रा पायल मौर्या ने भाषण प्रतियोगिता में कहा कि भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल ने बच्चों एवं उनकी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सराहना की और सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

जब सारे रास्ते बंद हो गए, तब बेटी ने पुकारा सिर्फ धनंजय सिंह को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में रहने वाले एक गरीब बिन्द परिवार पर अचानक ऐसा दुख टूट पड़ा कि सपने चूर हो गए ।परिवार के मुखिया की असमय मृत्यु ने घर की नींव हिला दी। पहले से आर्थिक तंगी झेल रहा परिवार अब पूरी तरह बेसहारा हो चुका था। घर में कमाने वाला कोई नहीं बचा था, और सिर पर बेटी की शादी की जिम्मेदारी खड़ी थी। घर के आंगन में मातम पसरा था। मां की आंखों में चिंता थी, बहन की आंखों में डर और एक छोटे से छह साल के मासूम बच्चे की आंखों में बेबसी साफ दिखाई दे रही थी। रिश्तेदारों और समाज के तमाम दावों के बीच यह परिवार बिल्कुल अकेला पड़ चुका था लेकिन इसी टूटन और निराशा के बीच एक उम्मीद बाकी थी। परिवार की बेटी ने रोते हुए एक वीडियो में सिर्फ एक नाम लिया सांसद जी हमारी मदद कर दीजिए। उस मासूम पुकार में दर्द भी था, भरोसा भी। शायद यही वजह थी कि यह आवाज सीधे पूर्व सांसद धनजंय सिंह तक पहुंची। जैसे ही उन्हें परिवार की हालत की जानकारी मिली, उन्होंने बिना किसी राजनीतिक लाभ-हानि की चिंता किए तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया। उन्होंने बेटी की शादी का खर्च उठाने का फैसला किया। इतना ही नहीं, बेटी को शादी में बाइक समेत अन्य उपहार भेंट कर उसके नए जीवन की शुरूआत को आसान बनाने का प्रयास भी किया।

जब मदद लेकर लोग परिवार के घर पहुंचे, तो वहां का दृश्य बेहद भावुक कर देने वाला था। टूटा हुआ घर, खाली आंगन और आंखों में भरे आंसू लेकिन उन्हीं आंखों में पहली बार उम्मीद की चमक भी दिखाई दी। परिवार की महिलाओं ने रोते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में जो सहारा मिला है, उसे वे जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगी ।यह पूरा मामला

पिता की मौत के बाद टूटती शादी देख पूर्व सांसद ने उठाया बेटी की शादी की ज़िम्मेदारी

पूरासुजानराय गांव का है जहाँ सड़क दुर्घटना में नन्हे लाल बिंद की मौत हो गई थी जिससे बेटी की शादी नहीं हो पा रही थी ऐसे में पूर्व सांसद इन लोगों के लिए भगवान के रूप में खड़े हुए यूँ तो ऐसे दर्जनों किस्से हैं लेकिन शायद यह मार्मिक कहानी इन सबसे बिल्कुल अलग थी । स्थानीय लोगों का कहना है कि आज के दौर में जहां राजनीति अक्सर सिर्फ भाषणों और पोस्टरों तक सीमित दिखाई देती है, वहां इस तरह की मानवीय पहल समाज को एक अलग संदेश देती है। लोगों ने कहा कि जब कोई व्यक्ति बिना प्रचार और स्वार्थ के किसी गरीब परिवार के दर्द को अपना समझकर खड़ा होता है, तभी वह नेता नहीं बल्कि जननायक कहलाता है।

इस पूरे घटनाक्रम से जुड़ी एक और बात लोगों को बेहद भावुक कर रही है। परिवार ने मदद के लिए किसी संगठन, किसी बड़े अधिकारी या किसी अन्य नेता को याद नहीं किया। उनकी आखिरी उम्मीद सिर्फ धनंजय सिंह थे। ग्रामीणों का कहना है कि यह भरोसा अचानक नहीं बनता, बल्कि वर्षों के जनसंपर्क, व्यवहार और लोगों के दुख-दर्द में साथ खड़े रहने से पैदा होता है ।राष्ट्रवादी नौजवान सभा के कार्यकताओं ने भी इस शादी की तैयारियों में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। कार्यकताओं के अनुसार जब वे परिवार के घर पहुंचे तो हालात बेहद दयनीय थे। घर में पुरुष के नाम पर सिर्फ एक छोटा बच्चा था। ऐसे समय में कई सामाजिक और जातीय संगठन कहीं दिखाई नहीं दिए, लेकिन मदद के लिए जो हाथ आगे बढ़ा, उसने इस गरीब परिवार की जिंदगी बदल दी। आज जब बेटी की शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, तो परिवार के चेहरे पर लंबे समय बाद सुकून दिखाई दे रहा है। गांव के लोग इसे सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि इंसानियत की मिसाल बता रहे हैं।

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN
2026- 27
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
80094 80093
असिस्टेंट मैनेजर
मो0 राफे शमीम
(M.B.A)
निकट- करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

मो. 7897031065, 9889373010
लालमनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर
स्थान- मेडिकल कॉलेज के सामने, सिद्दीकपुर, जौनपुर.
हमारे अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. दिलीप कुमार सरोज
MBBS-M.S. ORTHO
हड्डी रोग विशेषज्ञ • On Call
डॉ. चंचला मिश्रा
MBBS-M.S.
स्त्रीरोग विशेषज्ञ • सुबह 10 से शाम 4 तक
डॉ. दिनेश कुमार
MBBS.MD. (GENERAL MEDICINE)
IMS - BHU 24 घण्टे
डॉ. प्रभाकर उपाध्याय
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. सुनील दुबे
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. अरविन्द कुमार यादव
MBBS-M.D.
बाल रोग विशेषज्ञ • प्रतिदिन
उपलब्ध सुविधाए-
• OT (MODULAR OT)
• VENTILATOR
• DIGITAL X-RAY
• PATHOLOGY
• ICU
• ABG
• BiPAP
• ECG

ISO 9001: 2015 CERTIFIED
आशीर्वाद हॉस्पिटल
डा. विनोद कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो सर्जन)
ट्रामा एण्ड ज्वाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
दूरबीन (Arthroscopy) विधि द्वारा Ligament Repair (ACL, PCL, Etc.) की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत समस्त रोगों का नि:शुल्क इलाज
Policetechnical Chauraha, Jaunpur
9415287571, 8953320461
9838639567, 7839059070
जनपद का प्रथम जापानी तकनीकी से निर्मित अध्यायुविक IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) सेन्टर
ASHIRWAD IVF
& FERTILITY CENTER
Embrance Your Life's Most Precious Gift
डा. अन्जू कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस.कन्सलटेन्ट आब्सटेट्रिक्स &
गायनकोलोजिस्ट एण्ड इनफर्टीलिटी स्पेशलिस्ट
इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पता : पालिटेक्निक चौराहा, जौनपुर

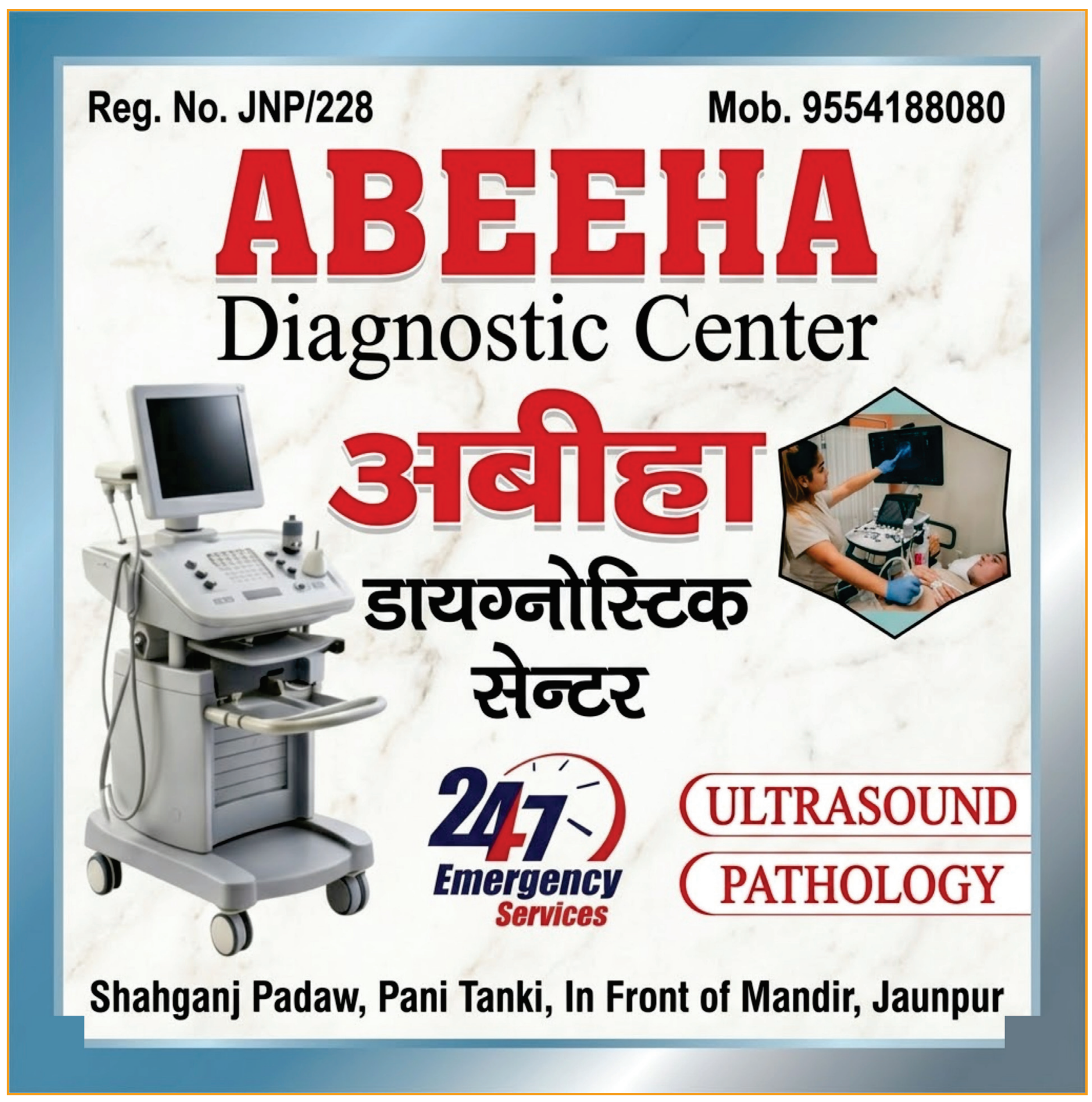
Reg. No. JNP/228
Mob. 9554188080
ABEEHA
Diagnostic Center
अबीहा
डायग्नोस्टिक सेन्टर
24/7 Emergency Services
ULTRASOUND
PATHOLOGY
Shahganj Padaw, Pani Tanki, In Front of Mandir, Jaunpur

EPS EDEN PUBLIC SCHOOL
C.B.S.E. AFFILIATED (10+2) ENGLISH MEDIUM
Nursery to IX & XI Science, Commerce & Art
नूरजहाँ गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल
2026-27
ADMISSION OPEN
Founder/Chairmain
Pervez Alam (Bhutto)
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

नया सत्र
Educate A Girl....
Educate A Family....
Best Educationist Award by Deputy CM Shri Brajesh Pathak
मॉडर्न कान्वेंट स्कूल
कक्षा- नर्सरी से 11 तक
अंग्रेज़ी माध्यम
Established Since 1999
With good quality of education
E-mail: modernconventschool007@gmail.com
www.mcsshools.com
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
7518714123
8960117268
7007016231
प्रबंधक
डॉ0 आबिद खान
निकट- हबीब हॉस्पिटल के पास खेतसाराय, जौनपुर

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

फ्रैक्चर, गठिया, कमर दर्द ऑर्थराइटिस, कूल्हाघुटना प्रत्यारोपण इत्यादि रोगो का इलाज

सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन ट्यूमर का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा बच्चे की जाँच नार्मल डिलीवरी इत्यादि रोगो का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

TSMH

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एक्सरे, ई.सी.जी. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- नवजात शिशु, हाई रिस्क ओपीडी (प्रत्येक शनिवार) अत्यन्त अल्पविकसित नवजात व गम्भीर स्थिति से भर्ती नवजात के मानसिक एवं शारिरीक विकास का आकलन व उपचार।
- अल्पविकसित नवजात शिशु को एक बार अवश्य दिखाए ।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी नसों में शून्नपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | Youtube @TribhuvanSinghMemorialHospital

Affiliation Code- 2134064 | 2026-27 ADMISSION OPEN | Schooll Code- 72085

NEW DELHI PUBLIC SCHOOL

Shaping Generations

NURSERY ONWARDS
Affiliated to CBSE New Delhi
LEARNING BY DOING

Our Facilities
- Qualified Teachers
- Group Activities
- Quality Education
- Creative Learning

YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION

Mob.: 9170993826, 7269081017
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

Reg.No.- CMEE2134134

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

A Unit of Salvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे NH-56) से 400 मीटर दूरी पर
ECHS | ISO

प्रतीक श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर)
डा. विवेक श्रीवास्तव एम.डी. (फिजिसियन) Feilposnia in Ots & Gyana Fellbeship in Dielysis Meirber of Indian Medical Association
डा. प्रियंका श्रीवास्तव B.A.M.S. स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. अमित कुमार गौरव एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम कार्डियोलॉजिस्ट आई.एम.एस., बी.एच.यू.
डा. संदीप राय एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम गैस्ट्रोलॉजिस्ट जी.बी. पन्त हॉस्पिटल. न्यू दिल्ली
डा. संतोष कुमार मौर्य एम.बी.बी.एस., एम.डी., डी.एम नेफ्रोलॉजिस्ट
डा. उज्जवला बी.डी.एस. (डेंटिस्ट) दन्त रोग विशेषज्ञ

सुविधाएँ-
- वेन्टीलेटर वाईपैप की सुविधा
- ICU भर्ती उपलब्ध
- अल्ट्रासाउण्ड, एक्स-रे
- पैथोलॉजी/ ECG

- हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
- आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
- दांतो की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। • आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
- TPA/Insurance Company के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।

परामर्श हेतु संपर्क करें- 9138828283, 8686867547, 7742913338
www,thesalvationhospital.com | salvationhospital@gmail.com | Salvationhospital

नोट- डी.एम.गेस्ट्रो, काडियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नम्बर लगायें।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथैरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

24/7 Emergency Services

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह M.S.M.C.H. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह M.S. (Ortho) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह M.D.(Medicine) कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह M.D.(Neuro Psychiatrist) मानसिक रोग विशेषज्ञ

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध | Medi Assist | STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

AMIR TRAVELS

Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

Vakrangee Kendra | ATM

- Withdrawal & Deposit Money from All Bank (ATM & Adhaar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services
- Aadhar Card Correction Online

Card nahi? Scan Karo, Paisa Nikalo!

प्रो0- मो0 आसिफ | 7860303530, 9616636079

उप- संपादक **डॉ. इम्तियाज अहमद**
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक | मो0- 9695970605

www.uttarshaktinews.com | UTTAR SHAKTI TV NEWS | E Mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com | Uttar Shakti News Jaunpur

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0 प्र0)